

Ἐς τὸ ἵταί πῖαθαί εὐ ἰ τῆτ ἀνέτῆ δααί ὀνεῖ-ῖ ἀα-ἀνεῖ ῆ πῖ εἰ ἀδὲ

«Ἄεᾶῖ ἡῖ ἂε, ᾶοᾶ ἰ ἱ ῦ, Ἄῖ ἡῖ ἱ ᾶ...»

(ᾶῖ εὐᾶ ἱ ᾶ)

Ἰ ᾶῖ ᾶ ῖ τῆτ ἱ ᾶῖ ῖ ῖ ὀνδῖ ῖ
ᾶ ᾶδῖ . ῆᾶδῖ ῖ . Ἰ ᾶδῖ ᾶεᾶ (Ἄᾶ-ῆᾶῖ)
ῖ ᾶᾶῖ ᾶᾶῖ ῆ ᾶῖ ἡῖ ᾶ . ὀ ῖ ᾶ ᾶῖ ῖ . Ἀῖ ᾶᾶῖ Ἰ ᾶᾶῖ ᾶᾶ

1

Бла - го - сло - ви, ду - ше мо - я,

Го - спо - да. Бла-го-сло-вен

I припев

е - си Го - спо - ди.

2

Го - спо - ди Бо - же мой, во - зве - ли - чил -

ся е - си зе - ло.

на де - ла Тво - я, Го - спо - ди.

6

Во - спо - ю Го - спо - де - ви в жи - во - те мо - ем, по - ю Бо - гу мо - е -

7

му дон - де - же есмь. Да у - сла - дит - ся Е - му бе - се - да мо - я,

8

аз же воз - ве - се - лю - ся о Го - спо - де. Яко возвеличишася дела Тво - я,

Го - спо - ди, вся пре - муд - ро - сти - ю со - тво -

